देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

प्रेस–विज्ञप्ति

इन्दौर, 26 नवम्बर 2020। विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक आज ईएमआरसी, में सम्पन्न हुई । सर्वप्रथम कार्यपरिषद् के सम्मानीय सदस्यों का स्वागत माननीय कुलपति प्रो. रेणु जैन एवं कुलसचिव डॉ. अनिल शर्मा द्वारा किया गया। माननीय कुलपति जी ने सम्मानीय सदस्यों को विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि A+ ग्रेड मिलने के बाद हमें ओपन डिस्टेंस एवं ऑन लाईन लर्निंग के माध्यम से पाठ्यक्रम चलाने की पात्रता प्राप्त हुई है और इस दिशा में हमने 6 पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान को प्रस्ताव भेजा है साथ ही हमने इस वर्ष से खादी एवं हथकरघे से संबंधित पाठ्यक्रम भी शुरू किया है ।

बैठक में वित्त समिति की अनुशांसाओं पर चर्चा करते हुए संविदा कर्मचारियों को प्राप्त हो रहे संकलित वेतन में वृद्धि की अनुशांसा की गई। विश्वविद्यालय की अध्ययनशालाओं में शिक्षण कर रही विजिटिंग फैकल्टीज के मानदेय को बढ़ाया गया और अधिकतम सीमा रू. 35 हजार मासिक निश्चित की गई। कार्यपरिषद् सदस्य प्रो. सुरेश सिलावट ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय की नियमित फैकल्टी का वर्कलोड सुनिश्चित किया जाय एवं मानदेय की अधिकतम सीमा से अधिक भुगतान न किया जाय। कार्यपरिषद् सदस्य डॉ. मंगल मिश्रा जी ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों का बायोडाटा विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड किया जाये।

यूटीडी के सभी छात्रों से लाईब्रेरी शुल्क के रूप में 300 रू. विश्वविद्यालय शुल्क के साथ में जुलाई माह में लेने के प्रस्ताव को एवं छात्रों को ग्रंथालय में प्रवेश हेतु RFID कार्ड प्रदाय किये जाने के प्रस्ताव को भी कार्यपरिषद् ने मंजूर किया। परीक्षा एवं मूल्यांकन कार्य हेतु विश्वविद्यालय द्वारा 2 बोलेरो वाहन क्रय करने हेतु 16 लाख रू. के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने मान्य किया साथ ही आई.एम.एस. संस्थान हेतु लगभग 30 लाख रू. की कीमत के 50 डेस्कटाप कम्प्यूटर क्रय करने के प्रस्ताव को भी कार्यपरिषद् ने मान्य किया। वाणिज्य अध्ययनशाला में कार्य कर रहे संविदा

शिक्षकों के परिश्रमिक में वृद्धि करने की अनुशांसा को भी कार्यपरिषद् ने मान्य किया।

माननीय कार्यपरिषद् के सदस्य श्री विश्वास व्यास, डॉ. सुनीता जोशी, डॉ. जगदीश चौहान, श्री अंनत पंवार, डॉ. सुधा सिलावट एवं अन्य सभी सदस्यों ने कहा कि वे विधि सम्मत सभी प्रस्तावों, विशेषकर शिक्षक एवं कर्मचारियों के हित के प्रस्तावों का सर्मथन करते हैं।

भवन समिति की अनुशांसाओं में विद्यार्थी भवन की छत पर शेड निर्माण के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने मान्य किया।

विद्या परिषद् की अनुशांसाओं को मान्य करते हुए विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करते हुए सदस्यों ने सुझाव दिया कि माह मार्च से मई के बीच इनकी मॉनिटरिंग की जाय। कैरियर एडवांसमेंन्ट योजना के अंतर्गत कम्प्यूटर साईंस अध्ययनशाला के शिक्षकों एवं कम्प्यूटर सेंटर के तकनीकि कर्मचारियों की अगले स्टेज में पदोन्नित को कार्यपरिषद् ने मान्य किया।

2007 के पश्चात नियुक्त दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को विनियमित करने के संबंध में कार्यपरिषद् ने निर्णय लिया कि इस संबंध में शासन से अनुमति ली जाये। शिक्षा विभाग मे पदस्थ शिक्षकों को कैरियर एडवांसमेंन्ट योजना के अंतर्गत पदोन्नित का लाभ देने के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने मान्य किया।

माननीय कार्यपरिषद् सदस्य श्री विश्वास व्यास के प्रस्ताव लोकभाषा ''मालवी और निमाड़ी शोधपीठ'' की स्थापना को कार्यपरिषद् ने सहमति प्रदान की। डॉ. संजय तनवानी, विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर साईंस को चीफ प्रोक्टर के पद पर नियुक्ति को कार्यपरिषद् ने मान्य किया।

विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों को कोविड–19 से संक्रमण होने पर चिकित्सा प्रतिपूर्ति की सुविधा प्रदान किये जाने के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने मान्य किया।

बैठक में कुल 30 प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

डॉ. चन्दन गुप्ता
मीडिया प्रभारी